भारत - बेल्जियम संबंध

राजनीतिक संबंध

भारत और बेल्जियम के बीच राजनयिक संबंध वर्ष 1948 में स्थापित हुए। द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय स्तर पर दोनों देशों के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

उच्च स्तरीय यात्राएं :

भारत की ओर से बेल्जियम की हाल में राष्ट्राध्यक्ष के स्तर पर यात्रा 2013 में हुई थी। बेल्जियम नरेश के निमंत्रण पर राष्ट्रपति जी ने 2 से 5 अक्टूबर 2013 के दौरान बेल्जियम का राजकीय दौरा किया था। राष्ट्रपति जी और बेल्जियम नरेश ने संयुक्त रूप से यूरोपालिया - भारत सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 9 से 11 दिसंबर, 2010 के दौरान बेल्जियम का आधिकारिक दौरा किया। असेम की 8वीं शिखर बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उप राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी ने 3 से 5 अक्टूबर 2010 के दौरान ब्रसेल्स का दौरा किया।

मंत्री स्तर पर हाल की महत्वपूर्ण यात्राओं में सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं जहाजरानी मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी की 19 और 20 नवंबर 2014 को बेल्जियम की यात्रा शामिल है। विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह ने अक्टूबर 2014 में प्रथम विश्व युद्ध शताब्दी संस्मारक कार्यक्रमों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने 30 और 31 जनवरी 2013 को बेल्जियम का दौरा किया; विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने 15 से 19 अप्रैल 2012 के दौरान बेल्जियम का दौरा किया था।

बेल्जियम की ओर से विदेश व्यापार के लिए राज्य मंत्री श्री पीटर डे क्रेम ने 13 से 18 जनवरी, 2015 के दौरान भारत का दौरा किया और फिर 15 से 19 फरवरी 2016 के दौरान भारत का दौरा किया। बेल्जियम के शाही परिवार के नेतृत्व में परंपरागत रूप से आर्थिक शिष्टमंडलों ने भारत का दौरा किया है। राजकुमारी आस्ट्रिड के नेतृत्व में एक आर्थिक मिशन ने नवंबर 2013 में भारत का दौरा किया जिसमें 350 सी ई ओ शामिल थे। बेल्जियम के विदेश मंत्री श्री रेंडर ने

अगस्त 2012 में भारत का दौरा किया था। क्राउन प्रिंस फिलिप (इनकंबेंट किंग) के नेतृत्व में 350 कारोबारी नेताओं के एक आर्थिक शिष्टमंडल ने 20 से 27 मार्च 2010 के दौरान भारत का दौरा किया। बेल्जियम के तत्कालीन नरेश किंग अल्बर्ट द्वितीय और महारानी पाओला ने विदेश मंत्री श्री कारेल डी गुच्च तथा एक बड़े शैक्षिक एवं कारोबारी शिष्टमंडल के साथ 3 से 12 नवंबर 2008 के दौरान भारत का दौरा किया था। प्रधानमंत्री श्री गे वर्होफ्स्टड ने 2 से 7 नवंबर, 2006 के दौरान भारत का दौरा किया।

संसदीय अंत:क्रिया

माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन के नेतृत्व में भारतीय संसद सदस्यों के एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने 23 से 26 जून 2015 के दौरान बेल्जियम का दौरा किया जिसमें राज्य सभा एवं लोक सभा दोनों से विभिन्न राजनीतिक दलों से संसद सदस्य शामिल थे। लोक सभा महासचिव भी इस शिष्टमंडल में शामिल थे। इस यात्रा के दौरान माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने यूरोपीय संसद के अध्यक्ष, यूरोपीय संसद के भारत के साथ संबंध के लिए शिष्टमंडल, बेल्जियम की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष तथा बेल्जियम की सीनेट के अध्यक्ष से मुलाकात की।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध :

अगस्त 1997 में दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए) पर हस्ताक्षर किए गए तथा नवंबर 1997 में भारत तथा बेल्जियम - लग्जमबर्ग आर्थिक संघ (बी एल ई यू) के बीच द्विपक्षीय निवेश संरक्षण करार (बी आई पी ए) पर हस्ताक्षर किए गए।

द्विपक्षीय व्यापार

जनवरी से सितंबर 2015 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 9.14 बिलियन यूरो था। इसमें से बेल्जियम को भारत के निर्यात का मूल्य 3.19 बिलियन यूरो तथा भारत के आयात का मूल्य 5.95 बिलियन यूरो था। 2015 में भारत की ओर से बेल्जियम को जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया उनमें मुख्य रूप से रत्न एवं आभूषण (1.45 बिलियन यूरो), रसायन एवं रासायनिक उत्पाद (370 मिलियन यूरो) और वस्त्र (315 मिलियन यूरो) शामिल हैं। जनवरी से सितंबर 2015 के दौरान बेल्जियम से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया गया उनमें मुख्य रूप से रत्न एवं आभूषण (4.76 बिलियन यूरो), रसायन एवं रासायनिक उत्पाद (259 मिलियन यूरो), मशीनरी एवं इंजीनियरिंग उत्पाद (246 मिलियन यूरो) तथा प्लास्टिक एवं इससे बनी वस्तुएं (228 मिलियन यूरो) शामिल हैं।

द्विपक्षीय निवेश

अप्रैल 2000 से सितंबर 2015 की अवधि में बेल्जियम से भारत में एफ डी आई प्रवाह का संचयी मूल्य 855.30 मिलियन अमरीकी डालर था जिससे यह भारत में 22वां सबसे महत्वपूर्ण निवेशक बन गया है। मुख्य रूप से आई टी एवं साफ्टवेयर क्षेत्र में अनेक भारतीय कंपनियों ने बेल्जियम तथा यूरोप के बाजारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बेल्जियम में अपना बेस स्थापित किया है। बेल्जियम के राष्ट्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारतीय कंपनियों ने 2014 में बेल्जियम में 80 मिलियन यूरो का निवेश किया।

भारत - बी एल ई यू जे सी एम

भारत तथा बी एल ई यू (बेल्जियम - लग्जमबर्ग आर्थिक संघ) के बीच संयुक्त आर्थिक आयोग (जे सी एम) की 14वीं बैठक 28 और 29 सितंबर 2015 को नई दिल्ली में हुई। दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, आयुर्वेद, कोंसुलर अक्सेस तथा उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

समुद्री क्षेत्र में सहयोग

प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारत के जहाजरानी मंत्रालय और बेल्जियम के एंटवर्प बंदरगाह प्राधिकरण के बीच एक सतत सहयोग है। मुम्बई में भारतीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन करने में एंटवर्प बंदरगाह को समर्थ बनाने के लिए 12 फरवरी 2015 को भारत और एंटवर्प बंदरगाह के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एण्ड टी) सहयोग

नवंबर 2006 में बेल्जियम के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए एक रूपरेखा करार पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारत - बेल्जियम संयुक्त समिति की स्थापना की। संयुक्त समिति की पिछली बैठक 29 सितंबर 2015 को नई दिल्ली में हुई थी।

इस क्षेत्र में विभिन्न अन्य एम ओ यू के तहत निम्नलिखित शामिल हैं : अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सहयोग के लिए एम ओ यू (1998), टेरी, भारत (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान) और वी आई टी ओ - बेल्जियम के बीच एम ओ यू (2014), बार्क और एस सी के - एस ई एन (बेल्जियम परमाणु अनुसंधान केन्द्र, 2012) के बीच एम ओ यू जिसके तहत परमाणु अपशिष्ट के प्रबंधन, भूविज्ञानी निस्तारण तकनीकी, उन्नत अनुसंधान रिएक्टर प्रणाली में सहयोग तथा आई ए ई ए की इनप्रो परियोजना के संदर्भ में साझेदारी शामिल है। भारत - बेल्जियम परियोजना के तहत नैनीताल के निकट देवस्थली में एक ऑप्टिकल इनफ्रारेड टेलीस्कोप लगाया जा रहा है। उन्नत यांत्रिक एवं ऑप्टिकल सिस्टम, बेल्जियम (ए एम ओ एस) द्वारा टेलीस्कोप का निर्माण एवं आपूर्ति की गई है तथा टेलीस्कोप की लागत बेल्जियम सरकार द्वारा वहन की गई है।

शिक्षा

800 के आसपास भारतीय छात्र घेंट विश्वविद्यालय, लिवेन विश्वविद्यालय, एंटवर्प विश्वविद्यालय तथा ब्रुसेल्स विश्वविद्यालय सहित बेल्जियम की शैक्षिक संस्थाओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। 2013 में राष्ट्रपति जी की बेल्जियम की राजकीय यात्रा के दौरान 5 एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए थे जो इस प्रकार हैं : (क) जे एन यू तथा घेंट विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू, (ख) दिल्ली विश्वविद्यालय तथा घेंट विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू, (ग) दिल्ली विश्वविद्यालय तथा ग्रुप टी इंटरनेशनल इंजीनियरिंग अकादमी ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ ल्यूवेन के बीच एम ओ यू, (घ) दिल्ली विश्वविद्यालय तथा ब्रसेल्स मुक्त विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू और (ड.) हैदराबाद विश्वविद्यालय तथा घेंट विश्वविद्यालय के बीच एम ओ यू।

बेल्जियम में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित पीठें

आई सी सी आर ने घेंट विश्वविद्यालय में 1988 से हिंदी पीठ और ल्यूवेन विश्वविद्यालय में 2013 से समकालीन भारतीय अध्ययन में पीठ को प्रायोजित किया है।

संस्कृति

1973 से भारत और बेल्जियम के बीच सांस्कृतिक करार स्थापित है। आई सी सी आर ने अक्टूबर, 2006 से जनवरी, 2007 तक ब्रुसेल्स में तेजस नाम से एक भारतीय महोत्सव का आयोजन किया था।

यूरोपालिया - भारत सांस्कृतिक महोत्सव

भारत 4 अक्टूबर 2013 से 26 जनवरी 2014 तक आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपालिया - भारत सांस्कृतिक महोत्सव में साझेदार देश था। भारत के राष्ट्रपति और बेल्जियम के नरेश द्वारा संयुक्त रूप से इस महोत्सव का उद्घाटन किया गया। महोत्सव में लगभग 300 कार्यक्रम शामिल थे। जिसमें भारतीय कला एवं प्राचीन वस्तुओं का प्रदर्शन, संगीत एवं नृत्य प्रदर्शन, सिनेमा, थिएटर, साहित्य एवं व्यंजन का प्रदर्शन शामिल था जहां पूरे बेल्जियम से लगभग 200 साझेदारी पंडाल लगाए गए थे। यूरोपालिया इंटरनेशनल बेल्जियम सरकार द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित संगठन है जो देश विशिष्ट द्विवार्षिक महोत्सव का आयोजन करता है जो चार माह तक चलते हैं।

महात्मा गांधी तथा रवीन्द्रनाथ टैगोर की आवक्ष प्रतिमाओं का उद्घाटन :

30 जनवरी, 2013 को विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने एंटवर्प प्रांत के राज्यपाल के कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी जी की एक आवक्ष प्रतिमा का उद्घाटन किया। 7 मई, 2015 को गुरुदेव की 154वीं वर्षगांठ के अवसर पर कैथोलिक युनिवर्सिटी ऑफ ल्यूवेन के कला संकाय में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की एक आवक्ष प्रतिमा का उद्घाटन किया गया।

प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए भारतीय सैनिकों के लिए स्मारक

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्लैंडर के मैदान / वेस्टर्न फ्रंट में भारतीय सैनिकों के बलिदान की स्मृति में 12 मार्च, 2011 को लीपर में मेनिन गेट के समानांतर एक भारतीय स्मारक पिलर फिर से लगाया गया, जहां 11 नवंबर को वार्षिक अर्मिस्टाइस दिवस समारोह आयोजित किए गए। बेल्जियम ने 2014 से 2018 के दौरान आयोजित किए जा रहे प्रथम विश्व युद्ध के शताब्दी समारोहों में भाग लेने के लिए भारत को आमंत्रित किया था। शताब्दी समारोहों के लिए बेल्यिम सरकार ने दो अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) डा. वी के सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। संयुक्त सेवा संस्थान (यू एस आई), नई दिल्ली तथा फ्लैंडर्स फील्ड म्यूजियम ने वाइप्रेस में 24-25 अक्टूबर, 2014 को "भारतीय तथा पश्चिमी फ्रंट'' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया था। प्रथम विश्व युद्ध में भाग लेने वाले भारतीय सैनिकों के लिए वार्षिक संस्मारक समारोह का आयोजन 12 नवंबर 2015 को वाइप्रेस, बेल्यिम में भारतीय स्मारक में किया गया। संस्मारक समारोहों में 11 नवंबर 2015 को बेल्जियम के नोके हिस्ट में भारतीय सेना का एक मेमोरियल कंसर्ट भी शामिल था।

बेल्जियम में भारतीय समुदाय :

स्थानीय सरकार के अनुमानों के अनुसार बेल्जियम में भारतीय डायसपोरा की संख्या 18,000 के आसपास है। इनमें से लगभग 10,000 भारतीय नागरिक हैं। 1500 के आसपास भारतीय आई टी प्रोफेशनल बेल्जियम की विभिन्न कंपनियों के लिए काम करते हैं तथा लगभग 800 भारतीय छात्र बेल्जियम के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। लगभग 2500 एन आर आई / पी आई ओ एंटवर्प में आधारित हैं, जो मुख्य रूप से हीरे का व्यापार करते हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, बेल्जियम, लक्जमबर्ग तथा यूरोपीय संघ की वेबसाइट :
http://www.indembassy.be.
भारतीय दूतावास, ब्रुसेल्स का फेसबुक पृष्ठ :
https://www.facebook.com/IndEmbassyBrussels
ट्विटर हैंडल :
@IndEMbassyBru
इंडिया ग्लोबल - ए आई आर एफ एम गोल्ड कार्यक्रम जो भारत एवं बेल्जियम के बीच संबंधों पर केंद्रित है :
https://www.youtube.com/watch?v=j15LxIcXnmw

*****

फरवरी, 2016